म्हारा प्यारा बाबोसा थांकी लेऊँ नजर उतार

म्हारा प्यारा बाबोसा,
थांकी लेऊँ नजर उतार,
थारे नजर कदे न लागे,
लूण राई दयौ वार,
ओ माँ छगनी रा थे लाल,
थारो रूप देख बाबा,
भगता हुया निहाल।bd।

तर्ज – ऊंचो घालियो पालनों।

शिश मुकुट कानो में कुंडल,
गल मोतियन रो हार,
तन पे बागा हाथ मे घोटा,
गजब किया श्रंगार,
ओ माँ छगनी रा थे लाल,
थारो रूप देख बाबा,
भगता हुया निहाल।bd।

रूप सुहानो देखके बाबा,
चंदा भी शरमाये,
स्वर्ग लोक की अप्सरा भी,
दर्शन ने ललचाये,
ओ माँ छगनी रा थे लाल,
थारो रूप देख बाबा,
भगता हुया निहाल।bd।

भगत थारा बैठया बाबा,
एकटक थाने निहारे,
थारी छवि बसा नेंनो में,
थाने ही पुकारे,
ओ माँ छगनी रा थे लाल,
थारो रूप देख बाबा,
भगता हुया निहाल।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मुख पे बरसे नूर,
‘दिलबर’ इण नेनो में विराजो,
न रहवो महास्यो दूर,
ओ माँ छगनी रा थे लाल,
थारो रूप देख बाबा,
भगता हुया निहाल।bd।

म्हारा प्यारा बाबोसा,
थांकी लेऊँ नजर उतार,
थारे नजर कदे न लागे,
लूण राई दयौ वार,
ओ माँ छगनी रा थे लाल,
थारो रूप देख बाबा,
भगता हुया निहाल।bd।

गायिका – सोनू माहेश्वरी।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया ‘दिलबर’।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com